सिडबी
भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

निविदा सूचना

सिडबी, सुविधा प्रबन्धन सेवाओं (वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी), सुविधा प्रबंधन (एफएम) और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रबंधन (वी सी) के आउटसोर्सिंग के लिए पात्र बोलीदाताओं से सीलबंद निविदाएं आमंत्रित करता है। विस्तृत निविदा दस्तावेज के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.sidbi.in या eprocure.gov.in/cppp देखें।
परिशिष्ट / शुद्धिपत्र, यदि कोई हो, केवल उपर्युक्त वेबसाइटों में प्रकाशित किया जाएगा।

बैंक ऑफ़ इंडिया
रिश्तों की जमापूंजी

प्रधान कार्यालय, वित्त विभाग, स्टार हाउस- I, सी -5, ''जी ब्लॉक'', बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा पूर्व, मुंबई 400051 दूरभाष: +912266684851
ईमेल: headoffice.finance@bankofindia.co.in

शुद्धिपत्र

बैंक ऑफ़ इंडिया के प्रस्तावित क्यूआईपी निर्गम के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर्स (बीआरएलएम) का चयन - टेंडर जमा करने की तारीख को 15.07.2021 तक बढ़ाया जाना

कृपया उपर्युक्त विषय पर हमारी टेंडर अधिसूचना दिनांक 02.07.2021 का संदर्भ लें। सील की हुई निविदा (टेंडर) को जमा करने की अंतिम तारीख दिनांक 15.07.2021 को संध्या 5.00 बजे तक बढ़ा दी गई है।

08 जुलाई, 2021 कंपनी सचिव

एनएमडीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
10-3-311/ए, कैसल हिल्स, मसाब टैंक, हैदराबाद-500 028
फोन नं.: 0091-40-23538710/770, 23538713 से 23538721, एक्स.: 270/229/228,
ई-मेल: csreddy@nmdc.co.in; bmkumar@nmdc.co.in, jpsingh@nmdc.co.in
कारपोरेट पहचान संख्या (सीआईएन): एल13100टीजी1958जीओआई001674

निविदा सं. एचक्यूएमएम/1023-20/04Z901/373 दिनांकित: 08.07.2021

खुली निविदा सूचना

बीआईओएम किरनडुल कॉम्पलैक्स, दांतेवाड़ा (जिला), छत्तीसगढ़ (राज्य), भारत के लिए के लिए आवश्यक निम्नलिखित उपकरण के लिए भारत में प्रख्यात निर्माताओं से सीधे या उनके मान्यताप्राप्त एजेंटों के माध्यम से ई-प्रापण मोड माध्यम से ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित हैं।

उपकरण का विवरण	मात्रा (नं.)	बोली पूर्व बैठक	निविदा दस्तावेज का प्रदर्शन एवं बिक्री अवधि	प्रस्ताव जमा करने हेतु अंतिम तिथि एवं समय
अनुलग्नक-III में उल्लिखित विनिर्देशनों के अनुसार 6 वर्ष/12000 घंटों जो भी पहले हो, के लिए प्रचालन और अनुरक्षण (कास्ट कैप) स्पेयरों सहित 800-900 एचपी क्षमता का ट्रैक डोजर की आपूर्ति	01	23.07.2021 पूर्वा. 11 बजे	प्रारूपः 09.07.2021 से 23.07.2021 फाइनलः 02.08.2021 से 17.08.2021	17.08.2021 समय अप. 02:30 (भा.मा.स.) तक

पूर्ण निविदा दस्तावेज वेबसाइटः www.nmdc.co.in, www.mstcecommerce.com/eprochome और सीपीपी पोर्टल http://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। यदि उपर्युक्त निविदा में कोई संशोधन होता है तो यह केवल हमारी वेबसाइट www.nmdc.co.in पर अपलोड किया जायेगा और अन्यत्र प्रकाशित नहीं होगा। संभावी निविदाकार संशोधन यदि कोई हो, की जानकारी के लिए समय-समय पर एनएमडीसी लिमिटेड की वेबसाइट देखते रहें।
अधिक विवरण के लिए हमारी वेबसाइटः www.nmdc.co.in का निविदा सेक्शन देखें।

मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री)

KANPUR PLASTIPACK LTD
सी.आई.एन. : L25209UP1971PLC003444
पंजीकृत कार्यालय- डी-19-20, पनकी इण्डस्ट्रियल एरिया, कानपुर-208022
फोन न0- 0512-2691113-6 फैक्स न0 - 0512-2691117
ईमेल : secretary@kanplas.com वेबसाईट : www.kanplas.com

शेयरधारकों के लिए सूचना
जिन इक्विटी शेयरों पर लाभांश का दावा नहीं किया गया है उन शेयरों का इन्वेस्टर एजूकेशन एवं प्रोटेक्शन फण्ड में हस्तांतरण

कम्पनीज एक्ट, 2013 की धारा 124(6) तथा 125 के सपठित इन्वेस्टर एजूकेशन एवं प्रोटेक्शन फण्ड (लेखा, अंकेक्षण हस्तांतरण तथा वापसी) अधिनियम 2016 ''आई ई पी एफ अधिनियम'' के प्रावधानों के अनुरूप एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि जिन इक्विटी शेयरों का लाभांश लगातार 7 वर्षों से दावे नहीं किये गये हैं उन इक्विटी शेयरों को इस सूचना की तिथि से 3 माह की समाप्ति पर आई ई पी एफ सस्पेन्स खाते में स्थानान्तरण किया जाना है।
तदनुसार कम्पनी ने उन सभी शेयरधारको को उनके पंजीकृत पते पर व्यक्तिगत रूप से सूचना भेज दी है, जिनका शेयर इन अधिनियमों के अन्तर्गत आई ई पी एफ सस्पेन्स खाते में स्थनान्तरण किये जाने योग्य हैं, ऐसे शेयरधारकों के विवरण कम्पनी ने अपनी वेबसाइट https://kanplas.com/en/shareholders.communication पर अपलोड भी कर दिया है । शेयरधारक, जिन्होंने अपने लाभांश के लिए विगत 7 वर्षों से दावा नहीं किया है वे आवश्यक विवरण (फोलियो नं. / डी पी – आई डी (यदि कोई हो), वर्तमान पता तथा सम्पर्क नम्बर) देकर 15 अक्टूबर, 2021 के पूर्व उपरोक्त फोलियों में पड़े शेयरों के लिए कम्पनी के पास अपना बकाया लाभांश का शीघ्रातिशीघ्र दावा कर सकते हैं। 15 अक्टूबर, 2021 के पश्चात कम्पनी आपके मूल शेयर प्रमाण पत्र (प्रमाण पत्रों) के बदले में ड्यूप्लीकेट शेयर प्रमाण पत्र जारी करेगी और आई ई पी एफ सस्पेंस खातें में स्थानान्तरित कर देगी। इस मामले में मूल शेयर्स प्रमाण पत्र (प्रमाण पत्रों) जो सदस्यों के नाम पंजीकृत हैं स्वतः निरस्त हो जायेगें तथा गैर पारणीय माने जायेगें। यदि आपके शेयर्स डीमैट मोड में हैं तो शेयरों को अधिनियम में वर्णित रीति के अनुसार आई ई पी एफ सस्पेन्स खाते के डीमैट खाते में स्थानान्तरण कर दिया जायेगा।
एतद्द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आई ई पी एफ सस्पेन्स खाते में शेयरों के स्थानान्तरण के पश्चात कम्पनी के सापेक्ष कोई दावा स्वीकार नहीं होगा यद्यपि आपके पास आई ई पी एफ अधिनियम में वर्णित रीति के अनुसार आई ई पी एफ सस्पेन्स खाते से शेयरों का दावा करने का अधिकार होगा।
किसी स्पष्टीकरण अपेक्षित होने की स्थिति में अधिक जानकारी के लिए आप कृपया अधोहस्ताक्षरी से सम्पर्क करें।

कृते कानपुर प्लास्टिपैक लिमिटेड
हस्ता0/-
स्थान- कानपुर (अंकुर श्रीवास्तव)
दिनांक: 08.07.2021 कम्पनी सचिव

ई-नीलामी बिक्री नोटिस
(आईबीबीआई (परिसमापन प्रक्रिया) विनियमों 32, 32ए और 33 के तहत, विनियमन 2016)
बैस्ट फूड्स लिमिटेड (परिसमापन में) [बीएफएल]

बीएफएल के परिसमापक एतद्द्वारा, बीएफएल की परिसंपत्तियों जिन्हें यहां सूचीबद्ध किया गया है, **ई-नीलामी बिक्री** में भाग लेने के लिए पात्र बोलीदाता (तों), नीचे बताए गए नीलामी कार्यक्रम के अनुसार 'जैसा है, जो कुछ भी है और उपचार रहित' आधार पर है, और बोली दस्तावेज के विस्तृत नियमों के लिए, सूचीबद्ध शर्तों और प्रक्रिया को https://www.bankeauctions.com और www.bestfoodgroup.com से डाउनलोड कर सकते है।

लॉट नं.	परिसंपत्तियों का विवरण	आरक्षित मूल्य (करोड़ रुपए)	ईएमडी (करोड़ रुपए)	बोली वृद्धि राशि (करोड़ रुपए)
1.	**बैस्ट फूड्स लिमिटेड – एक चालित कंपनी के रूप में (कंपनी की सभी संपत्ति सहित)**	226.82	22.68	1.00
2.	**बैस्ट फूड्स लिमिटेड की डरार यूनिट** हरियाणा के इंद्री-करनाल रोड स्थित गांव डरार में भूमि (230 कनाल 8 मारला), भवन और संयंत्र एवं मशीनरी	41.10	4.11	0.20
3.	**बैस्ट फूड्स लिमिटेड की हमीदपुर यूनिट** दिल्ली के हमीदपुर में भूमि (4840 वर्ग यार्ड्स) खसरा नंबर 440 (4-9), 441 (0-7) भवन, संयंत्र और मशीनरी	8.27	0.82	0.05
4.	वाणिज्यिक कार्यालय मंजिल (5633 वर्ग फुट) यूनिट नं. 502, डी-मॉल, 5वीं मंजिल, प्लॉट नं. ए-1, वजीरपुर, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, दिल्ली	10.71	1.08	0.05
5.	10 मरला मापित भूमि राधा स्वामी सत्संग भवन के सामने, इंद्री, हरियाणा में स्थित है। बिक्री विलेख संख्या 1289 दिनांक 17.10.2003 के तहत पंजीकृत है	0.21	0.02	0.01
6.	68 कनाल 3 मरला मापित भूमि गाँव नांगल खुर्द तहसील, जिला सोनीपत हरियाणा में स्थित है। बिक्री विलेख संख्या 4903 दिनांक 29.08.2008 के तहत पंजीकृत है।	26.63	2.67	0.10
7.	गांव गाधी गुरजन, तहसील इंद्री, जिला करनाल, हरियाणा में 29 कनाल 13 मारला की जमीन	2.51	0.26	0.02

लॉट 1 के लिए बोलीदाता को वरीयता दी जाएगी एवं लॉट 1 के लिए बोली की स्वीकृति मिलने पर परिसमापक अन्य लॉट के लिए बोलियों को अस्वीकार करने का अधिकार रखता है।

ई-नीलामी अनुसूची: बोली दस्तावेज और ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि / समयः – 29 जुलाई 2021 (गुरुवार) शाम 5:00 बजे तक। **ई नीलामी की तारीख:** 31 जुलाई 2021 (शनिवार) सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक (5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)
इच्छुक आवेदकों को **यस बैंक खाता संख्या 018463300004293** में एनईएफटी / आरटीजीएस के माध्यम से ईएमडी राशि जमा करनी है। **लाभार्थी नाम : बैस्ट फूड्स लिमिटेड-परिसमापन** में, **आईएफएससी कोडः YESB0000184** या बैस्ट फूड्स लिमिटेड-परिसमापन में के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट द्वारा – किसी भी राष्ट्रीयकृत या अनुसूचित बैंक के माध्यम से।
इच्छुक आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे बोली दस्तावेज का उल्लेख करें और हार्ड कॉपी में ईएमडी जमा करने के प्रमाण के साथ पूर्ण बोली दस्तावेजों को परिसमापक को जमा करें और बोली जमा करने की अंतिम तिथि / समय से पहले https://www.bankeauctions.com ई-नीलामी वेबसाइट पर अपलोड करें। आवेदक सुश्री शिखा चौधरी (टीम परिसमापक) **ईमेल: liq.bestfoods@gmail.com**, फोन : 011-45789408 (0) / + 91-9811527752 या किसी भी सहायता के लिए श्री विनोद चौहान (टीम ई-ऑक्शन एजेंसी)- delhi@c1india.com, फोन : +91-9813887931 से संपर्क कर सकते हैं।

विक्रम बजाज
पंजीकरण सं.: IBBI/IPA-002/IP-N00003/2016-2017/10003
परिसमापक : बैस्ट फूड्स लिमिटेड (परिसमापन में)
ईमेल : bajaj.vikram@gmail.com **फोन :** 011-45789408(O)/9999989408 **(मोबाइल)**
कार्यालय : 308, पर्ल्स बिजनेस पार्क, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, दिल्ली -110034

तिथि : 08 जुलाई 2021
स्थान : दिल्ली

स्पेक्ट्रम खाली करने को इच्छुक नहीं नौसेना

मेघा मनचंदा
नई दिल्ली, 8 जुलाई

केंद्र सरकार की 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी में देरी हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक भारतीय नौसेना ने 100 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम खाली करने को लेकर आपत्ति जताई है। सरकार ने 2022 में 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी करने की योजना बनाई थी।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) के एक अधिकारी ने कहा, 'भारतीय नौसेना 3.3 से 3.4 मेगाहर्ट्ज बैंड के स्पेक्ट्रम को खाली करने को लेकर अनिच्चुक नजर आ रही है, जिसका इस्तेमाल अभी वह कर रही है। जब तक इस मसले पर उनसे कुछ सहमति नहीं बन जाती, हम ट्राई से परामर्श नहीं मांग सकते।'

प्रस्तावित 5जी नीलामी में 3,300 मेगाहर्ट्ज-3,600 मेगाहर्ट्ज (3.3 गीगाहर्ट्ज-3.6 गीगाहर्ट्ज) की नीलामी पहली बार की जाएगी, जो अगले साल होने की संभावना है। यह फ्रीक्वेंसी मौजूदा वाई-फाई बैंड (2.4 गीगाहर्ट्ज और 5 गीगाहर्ट्ज) के बीच मौजूद होती है और इसका इस्तेमाल अभी नौसेना की राडार प्रणाली और सैटेलाइड ग्राउंड कम्युनिकेशंस के लिए होता है। इसे बेहतरीन बैंड माना जाता है क्योंकि इसकी स्पीड और डेटा ट्रांसफर की क्षमता तेज होती है।

5जी स्पेक्ट्रम का आधार मूल्य करीब 3.63 लाख करोड़ रुपये है।

दूरसंचार विभाग भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) से कहेगा कि 2600-2800 मेगाहर्ट्ज बैंड के मूल्य की तलाश पर अपना विचार दे। नीलामी में 3,300-3,600 मेगाहर्ट्ज बैंड भी शामिल होगा।

हाल के नीलामी के दौर में पाया गया कि रिलायंस जियो ने 50 प्रतिशत से ज्यादा एयरवेव्स ले दिया, जिसकी पेशकश की गई थी। कंपनी ने इसके लिए 57,122.65 करोड़ रुपये का भुगतान किया और इस राशि का 60 प्रतिशत 800 मेगाहर्ट्ड बैंड खरीदने में खर्च किया गया था।

सरकार द्वारा नीलामी के लिए पेश किए गए पूरे स्पेक्ट्रम की बिक्री आधार मूल्य पर हो गई। भारती एयरटेल ने 18,698.75 करोड़ रुपये का स्पेक्ट्रम खरीदा और इसका बड़ा हिस्सा 2,300 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रमक खरीदने पर खर्च हुआ। वोडाफोन-आइडिया ने नीलामी में 574 करोड़ रुपये खर्च किए ।

2,308 मेगाहर्ट्ज के कुल उपलब्ध स्पेक्ट्रम में से 855.60 मेगाहर्ट्ज की बिक्री नीलामी से हुई। मात्रा के आधार पर कुल स्पेक्ट्रम का 37 प्रतिशत और मूल्य के आधार पर कुल 19 प्रतिशत की बिक्री हुई।

2,500 और 700 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम को प्रीमियम स्पेक्ट्रम माना जाता है। इनकी बिक्री नहीं हो पाई। उद्योग ने ट्राई द्वारा कुछ बैंड में ज्यादा आरक्षित मूल्य की सिफारिश की थी, उद्योग जगत ने इसका विरोध किया।

अगस्त, 2018 में नियामक ने स्पेक्ट्रम के मूल्य पर अपनी सिफारिशें दीं, जिसमें उस स्पेक्ट्रम फ्रीक्वेंसी के आधार मूल्य में कमी कर दी, जिसकी बिक्री 2016 में नहीं हो पाई थी।

प्रीमियम 700 मेगाहर्ट्ज बैंड स्पेक्ट्रम का आरक्षित मूल्य, जिसकी बिक्री 2016 में नहीं हो पाई थी, 40 प्रतिशत से ज्यादा घटाकर 6,568 करोड़ रुपये प्रति मेगाहर्ट्ज कर दिया, जो 2016 की नीलामी के लिए 11,485 करोड़ रुपये रखा गया था। बहरहाल हाल की नीलामी में भी बैंड बगैर बिके रह गए। ट्राई ने 800 मेगाहर्ट्ज बैंड में पेयर्ड स्पेक्ट्रम के लिए 19 सर्किल के लिए 4,651 करोड़ रुपये आधार मूल्य, 7 शहरों के लिए 900 मेगाहर्ट्ज बैंड की कीमत 1,622 करोड़ रुपये प्रति मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज बैंड में 21 सर्किल के लिए 3,399करोड़ रुपये प्रति मेगाहर्ट्ज और 2500 मेगाहर्ट्ज बैंड में 12 सर्किल के लिए 821 करोड़ रुपये प्रति मेगाहर्ट्ज कीमत रखने की सिफारिश की है।

दूरसंचार विभाग फिलहाल नहीं मांगेगा सुझाव



- 100 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम खाली करने को लेकर नौसेना ने जताई आपत्ति
- अगले साल 5जी स्पेक्ट्रम की बोली होने की संभावना, पहली बार होगी 3,300-3,600 मेगाहर्ट्ज की नीलामी
- यह फ्रीक्वेंसी मौजूदा वाई-फाई बैंड 2.4 गीगाहर्ट्ज और 5 गीगाहर्ट्ज के बीच मौजूद
- इसे बेहतरीन बैंड माना जाता है, क्योंकि इसकी स्पीड और डेटा ट्रांसफर की क्षमता तेज

एचएएम सड़क का काम पटरी पर

मेघा मनचंदा
नई दिल्ली, 8 जुलाई

- करीब 60 प्रतिशत परियोजनाओं की लंबाई 3,200 किलोमीटर है
- एनएचएआई की तमाम एचएएम परियोजनाएं चालू होने की ओर हैं

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने आज कहा कि हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) की परियोजनाओं पर काम पटरी पर चल रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने तरजीह के आधार पर एचएएम परियोजनाओं कआ आवंटन किया है, जिसका काम व्यापक तौर पर तय कार्यक्रम के मुताबिक चल रहा है।

इसमें कहा गया है, 'करीब 60 प्रतिशत परियोजनाओं की लंबाई 3,200 किलोमीटर है, जो या तो पूरी हो चुकी हैं, या उन पर काम समय के मुताबिक चल रहा है। शेष परियोजनाओं में कमजोर प्रायोजकों के कारण देरी हो रही है।'

एनएचएआई की तमाम एचएएम परियोजनाएं चालू होने की ओर हैं। इनकी क्रेडिट प्रोफाइल में उल्लेखनीय सुधार हुआ है क्योंकि इन्हें लागू करने का जोखिम कम हुआ है और नकदी प्रवाह सही है। इसकी वजह से परियोजनाओं के पुनर्वित्तपोषण की क्षमता बढ़ेगी।

क्रिसिल रेटिंग ने सभी एचएएम सड़क परियोजनाओं का विश्लेषण किया है, जिनका आवंटन 2016 से 2018 के बीच हुआ है और लंबाई 5,400 किलोमीटर है। इन परियोजनाओं पर बड़े पैमाने पर काम हुआ है।

क्रिसिल रेटिंग के निदेशक आनंद कुलकर्णी ने कहा, 'विश्लेषण में शामिल 5,400 किलोमीटर सड़कों में से 1,400 किलोमीटर चालू हैं। इनमें से ज्यादा हिस्से पर काम 6 महीने के भीतर पूरा हो गया था, जबकि कुछ में थोड़ी देरी हुई। समय से जमीन की उपलब्धता और मंजूरी से परियोजनाओं को लागू करने में मदद मिली है। 1,800 किलोमीटर सड़कों का काम निर्माण की अग्रिम अवस्था में है और हम उम्मीद करते हैं कि इनका निर्माण जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।'

हाल ही में क्रिसिल डेटा में कहा गया था कि कोरोना की दूसरी लहर के असर से अप्रैल और मई, 2021 में आवाजाही कम हुई थी। जून, 2021 में कोविड-19 के नए मामले कम होकर औसतन 60,00 रह गए। ऐसे में कुछ राज्यों ने प्रतिबंधों में ढील दी, जबकि कुछ राज्यों में अभी आंशिक ढील है।

जीवन बीमा का एनबीपी 4 फीसदी बढ़ा

सुब्रत पांडा
मुंबई, 8 जुलाई

देश की 24 जीवन बीमा कंपनियों के न्यू बिजनेस प्रीमियम (एनबीपी) में जून महीने में सुधार हुआ है। कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण मई महीने में एनबीपी कम आया था।

जून में जीवन बीमाकर्ताओं का एनबीपी पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 3.95 प्रतिशत बढ़कर 30,009.48 करोड़ रुपये हो गया है। दूसरी लहर का असर कम होने व आर्थिक गतिविधियां शुरू होने के कारण यह संभव हुआ है। समूह-सालाना नवीकरण प्रीमियम करीब 3 गुना बढ़ा है, जिसकी एनबीपी की वृद्धि में अहम भूमिका है।

हालांकि अगर महामारी के पहले की अवधि (जून, 2019) से तुलना करें तो बीमा कंपनियों का प्रीमियम अभी भी उससे 6.9 प्रतिशत कम है। अगर मासिक आधार पर देखें तो जून महीने में मई की तुलना में उछाल आया है।

एनबीपी किसी साल के दौरान नई पॉलिसी से आया प्रीमियम होता है।

गैर जीवन बीमा का प्रीमियम 7 फीसदी बढ़ा

बीएस संवाददाता
मुंबई, 8 जुलाई

जून महीने में गैर जीवन बीमाकर्ताओं की प्रीमियम से आमदनी पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 7 प्रतिशत बढ़कर 14,809.27 करोड़ रुपये हुई थी, जो जून, 2020 में 13,842.27 करोड़ रुपये थी।

वहीं पिछले महीने की तुलना में गैर जीवन बीमाकर्ताओं की प्रीमियम से आमदनी 20 प्रतिशत बी है, जबकि मई महीने में 28 प्रतिशत की गिरावट आई थी। मई में बीमाकर्ताओं ने प्रीमियम से 12,316.50 करोड़ रुपये कमाए, जबकि अप्रैल में इनकी प्रीमियम से आमदनी 17,309.54 करोड़ रुपये थी।

गैर जीवन बीमा उद्योग में जनरल इंश्योरेंस, एकल स्वास्थ्य बीमा और विशेषीकृत पीएसयू बीमाकर्ता शामिल होते हैं।

संक्रमण से मुक्त बाजार की ओर जाना ज्योतिरादित्य की बड़ी चुनौती

अरिदम मजूमदार
नई दिल्ली, 8 जुलाई

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री बनने के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया की तुलना उनके पिता माधव राव सिंधिया से होने लगी है। जूनियर सिंधिया उसी विभाग में पहुंचे हैं, जिसमें उनके पिता 1991 से 1993 तक काम कर चुके हैं। हालांकि जल्द ही ज्योतिरादित्य यह महसूस करेंगे कि राजीव गांधी भवन (वह भवन, जिमसें नागरिक उड्डयन मंत्रालय है) में उनका काम उनके पिता के काम से कितना अलग हो चुका है।

अब इस भवन में संरक्षणवाद के पक्ष में हवा चल रही है। 25 मई को आसमान खोले जाने के बाद सरकार क्षमता और किराये पर नियंत्रण कर रही है। इंडियन एयरक्राफ्ट ऐक्ट, 1934 के विशेष प्रावधानों का इस्तेमाल कर नौकरशाह मासिक आधार पर एयरलाइंस की क्षमता तय कर रहे हैं और यह बता रहे हैं कि एयरलाइंस न्यूनतम और अधिकतम कितना किराया ले सकती हैं।

ज्योतिरादित्य के पूर्ववर्ती हरदीप सिंह पुरी मुक्त बाजार में सरकार के हस्तक्षेप का जोरदार समर्थन करते रहे हैं, जिनका कहना था कि कमजोर बैलेंस सीट वाली एयरलाइंस जैसे स्पाइसजेट और गो एयर को दीवालिया होने से बचाने के लिए यह जरूरी है। इससे बाजार अग्रणी इंडिगो के एकाधिकार से सरकार के डर के साफ संकेत मिलते हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री के रूप में माधवराव सिंधिया के दर्शन से यह विपरीत स्थिति है। सीनियर सिंधिया ने एयर कॉर्पोरेशन ऐक्ट 1953 वारपस ले लिया था, जिससे इंडियन एयरलाइंस का एकाधिकार खत्म हो गया था और निजी एयरलाइंस को कारोबार शुरू करने की अनुमति मिली थी। उसके बाद जेट एयरवेज व अन्य तमाम एयरलाइंस आईं और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में किराया कम हुआ और हवाईचप्पल वालों को हवाई जहाज में बैठने की सहूलियत मिली। सिंधिया को इंडियन एयरलाइंस और अपने पार्टी के नेताओं का विरोध का सामना करना पड़ा, लेकिन वह आगे बढ़े। 1992 में इकोनॉमिक टाइम्स से साक्षात्कार में उन्होंने कहा, 'एयरलाइंस मेरे बच्चे नहीं है।' इसका मतलब यह था कि सरकार किसी एयरलाइंस को प्रतिस्पर्धा से नहीं बचाएगी।

जूनियर सिंधिया के प्रभार संभालने के बाद उनकी सबसे बड़ी चुनौती संक्रमण से उड्डयन को मुक्त और खुला बाजार बनाने को लेकर होगी, जहां सरकार की चिंता एयरलाइंस को बचाने से ज्यादा यात्रियों के हितों की रक्षा को लेकर होगी।

इस समय अंतरराष्ट्रीय आकाश में भी संरक्षणवाद मौजूद है, जहां एयर बबल व्यवस्था के मुताबिक हवाई सेवा समझौते हुए हैं। इस समझौते के मुताबिक भारत ने गल्फ एयरलाइंस, कतर एयरवेज, और एतिहाद को भारत के यात्रियों को दुबई, अबूधाबी और दोहा होकर लाने का समझौता किया है। कई सरकारी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम सरकारी एयरलाइंस एयर इंडिया के हितों की रक्षा के लिए हुआ है, जो यूरोप और अमेरिका की सीधी उड़ान से मुनाफा कमा रही है।

पुरी की निगाहें घरेलू उत्पादन पर

बीएस संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जुलाई

देश के नए पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी का जोर कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस का घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर रहेगा। उन्होंने कहा कि वह देश के प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए भी काम करेंगे।

धर्मेंद्र प्रधान से मंत्रालय का कार्यभार लेने के बाद पुरी ने कहा, 'इस मंत्रालय में ऊर्जा को लेकर काफी संभावनाएं और विभिन्न चुनौतियां हैं। बदलते समय के अनुरूप होने, नई तकनीकों को अपनाने और दुनिया भर में ऊर्जा के क्षेत्र में हो रहे बदलावों के साथ तालमेल बिठाने की जरूरत एक आकर्षक अवसर मुहैया कराती है।' धर्मेंद्र प्रधान से पेट्रोलियम मंत्रालय लेकर उन्हें कौशल विकास और शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री रामेश्वर तेली ने भी गुरुवार को पदभार ग्रहण किया। पुरी को यह जिम्मेदारी आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के मंत्री के अलावा सौंपी गई है।

पुरी ने कहा, 'जैसे जैसे हम 5 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं उसमें ऊर्जा की उपलब्धता और खपत सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण होगी। मेरा जोर कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस का घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर रहेगा। मैं देश में प्राकृतिक गैस आधारित अर्थव्यवस्था के विकास पर भी काम करूंगा और 2030 तक देश के प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को 15 फीसदी पर लाने के लिए काम करूंगा।' 2015 में वैश्विक ऊर्जा सम्मेलन ऊर्जा संगम में उद्घाटन भाषण देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयात के बोझ को कम करने के लिए तेल और गैस का घरेलू उत्पादन बढ़ाने का आह्वान किया था।

बीएस सूडोकू 4095

परिणाम संख्या 4094

		4				9		7
7	3			5			6	
							5	3
1	7				6			
9				2	3			
							4	9
	9			3			7	
	6					3		5
		8	5					1

3	6	1	8	4	9	7	2	5
7	5	2	3	6	1	9	8	4
9	4	8	5	7	2	1	6	3
1	8	4	7	9	5	2	3	6
2	3	5	4	1	6	8	7	9
6	7	9	2	3	8	4	5	1
8	1	3	9	5	7	6	4	2
4	9	7	6	2	3	5	1	8
5	2	6	1	8	4	3	9	7

कैसे खेलें? बहुत आसान

हर, रो, कॉलम और 3 के बाई 3 के बॉक्स में एक से लेकर नौ तक की संख्या भरें।

गुर्जर ने विद्युत राज्य मंत्री का पदभार संभाला

हरियाणा के फरीदाबाद से लोकसभा सदस्य कृष्ण पाल गुर्जर ने गुरुवार को बिजली राज्यमंत्री का पदभार संभाल लिया। उन्होंने बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा कैबिनेट मंत्री आरके सिंह की उपस्थिति में पदभार संभाला। उन्होंने बिजली सचिव आलोक कुमार और बिजली मंत्रालय के अधीन आने वाले केंद्रीय लोक उपक्रमों के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक समेत अन्य अधिकारियों से मुलाकात की। *भाषा*

क्षेत्रीय मंडियों के भाव

दिल्ली | उत्तर प्रदेश | पंजाब

बंद भाव रुपये प्रति क्विंटल

दिल्ली
दिल्ली सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोना नौ रुपये की मामूली तेजी के साथ 46,991 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,972 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी की कीमत 902 रुपये की गिरावट के साथ 67,758 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। पिछले कारोबारी सत्र में इसका बंद भाव 68,660 रुपये प्रति किलो था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ के साथ 1,807 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 26 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही।

लखनऊ
गेहूं दड़ा 1650/1660, गेहूं शरबती 2550/2650, चावल शरबती सेला 3950/4000, स्टीम 4700/4800, लालमती 3550/3600, चावल (सोना) 3300/3350, दाल अरहर सवा नं. 8000/8100, पटका 9200/9400, रिजैक्शन 6800/6900, चना दाल 5950/6050, चना देशी छना 5600/5800, चना चापा छना 5800/5850, एग्रो प्योर बेसन 2350, मटर विदेशी 7400/7500, उड़द साबुत (काला)7500/8100, दाल उड़द (काली) 7800/9100, उड़द धोया 8200/9500, मसूर छोटी 6700/7000, मलका 7000/7200, किराना: जीरा 14200/15000, लालमिर्च गुंटूर 13500/18000, हल्दी निजाम फली (50 किलो) 4400/4600, धनिया एमपी 7600/10800, छोटी इलायची (किलो) 1150/1750, बड़ी इलायची 540/630, कालीमिर्च (किलो) 430/550, सुपारी (किलो) 455/510, सौंफ मोटी 7700/10200, मंगरैल 22000/23000, चिरौंजी (किलो) 975/1075, मखाना 540/700

कानपुर
गेहूं लूज 1680/1700, जौ 1625/1650, चावल मसूरी 2000/2100, चावल मोटा 1900/1950, देशी चना 5150/5200, चना छना 6000/6100, दाल चना 5850/6050, विदेशी मटर 7600/7800, पिचकी 4300/4500, मटर दाल 7000/8000, अरहर लेमन 6350/6400, दाल अरहर 8500/9300, स्पेशल 7500/7750,उड़द एसक्यू 6850/6950, एफएक्यू 6450/6500, राजमा चित्रा 11000/12900, मूंग 5100/5400, मसूर छोटी 6700/6900, छांटी 6800/7200, सरसों 6700/6800, तिल सफेद 9400/9500, सोया (टीन) 2300/2350, तेल सरसों कच्ची घानी वैट पेड (टीन)2350/2420, सरसों खल 2650/2700, पामोलिन 2300/2325, वनस्पति घी (यूपी एफओआर) 2040/2060, मधुसूदन देशी घी 6100, वासुदेव 5850, परम प्रीमियम 6100, पदम श्री 6050, अलसी 7300/7500, धनिया: लोकल 7200/7300, राजस्थान 7400/7500, बढ़िया 8600/9100, हल्दी 8200/8600, जीरा 14100/16600, अजवायन 15000/18500, मेथी 6400/6900, मखाना 550/750, कालीमिर्च (किलो) 570/640, लालमिर्च (किलो) तेजा 165/190, (334) न. 135/155, सुपारी (किलो) केरल 460/480, कर्नाटक चिकनी 440/450, गोला 20000/21500

चंदौसी
(प्र